दैनिक भास्कर
बुरहानपुर 17-08-2021

अखबारी कागज • वर्किंग कैपिटल और वेतन मद के लिए मांगी रकम

नेपा मिल : स्टार्टअप के लिए केंद्र सरकार से मांगे 90 करोड़ रुपए

भास्कर संवाददाता | नेपानगर

एशिया के पहले अखबारी कागज कारखाने नेपा लिमिटेड में आएमडीपी प्रोजेक्ट पूरा होने के बाद प्रबंधन ने मिल के लिए तीन महीने की वर्किंग कैपिटल और वेतन मद के लिए केंद्र सरकार से 90 करोड़ रुपए की सहायता मांगी है। वर्किंग कैपिटल के लिए 20 करोड़ रुपए प्रतिमाह के हिसाब से तीन महीने का खर्च 60 करोड़ रुपए मांगा गया है। वेतन के लिए 30 करोड़ रुपए मांगे गए हैं। इस रकम को मिल में उत्पादन शुरू होने के बाद मिल प्रबंधन केंद्र सरकार को लौटाने का प्रयास करेगा।

यह बात नेपा लिमिटेड के अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक कमोडोर सौरभ देब ने पत्रकारों से चर्चा के दौरान कही। उन्होंने रिवाइवल प्रोजेक्ट की प्रगति बताते हुए कहा नेपा लिमिटेड में प्रतिदिन 300 मीट्रिक टन क्षमता के अनुसार एक महीने की वर्किंग कैपिटल के लिए लगभग 20 करोड़ रुपए की जरूरत है। वहीं वेतन मद में भी 30 करोड़ मांगे गए हैं। उन्होंने बताया मिल के स्टार्टअप के लिए रेलवे सहित, कोयला, पावर जनरेटिंग कंपनी और वेस्ट मटेरियल तथा अन्य खर्च होना है। मांगी गई राशि नेपा मिल पर ऋण होगी। इसे चुकानें का प्रयास करेंगे।

उत्पादन शुरू होने के बाद केंद्र सरकार को राशि लौटाने का प्रयास करेगा प्रबंधन

नेपा मिल में पेपर मशीन।

इस प्लांट में हुआ इतना काम

डी-इंकिंग प्लांट : यहां आरएमएस बिल्डिंग का सिविल कार्य, इंजीनियरिंग वर्क 99 प्रतिशत और इरेक्शन 98 प्रतिशत हो चुका है। वाटर ट्रायल की भी शुरूआत कर दी गई है। 1 सितंबर से पहले इसे पूरा कर लिया जाएगा।

2 पेपर मशीन : रिनोवेशन और सप्लाय का काम शत प्रतिशत हो चुका। स्वदेशी आयटम की उपलब्धता 100 प्रतिशत, डिस्मेंटलिंग 98 प्रतिशत, रील रैपिंग के लिए जरूरी मटेरियल की उपलब्धता शत प्रतिशत और इरेक्शन वर्क 75 प्रतिशत कर लिया गया है। यहां वाटर ट्रायल का काम 15 सितंबर तक पूरा कर लिया जाएगा।

पावर प्लांट का रिनोवेशन : यहां पावर हाउस में डिस्टेंटलिंग 99 प्रतिशत, सप्लाय 99, इंजीनियरिंग वर्क शत प्रतिशत हो चुका है। इरेक्शन वर्क 90 प्रतिशत, कमिशनिंग वर्क 60 प्रतिशत हो चुका है। फिलहाल स्टीम ब्लोइंग का ट्रायल जारी है। इसे 5 सितंबर से पहले पूरा कर लिया जाएगा।

ईटी प्लांट : इंजीनियर वर्क 100 प्रतिशत हो चुका है। सप्लाय, इरेक्शन वर्क 90 प्रतिशत और वाटर ट्रायल प्रगति पर है। यह काम 5 सितंबर तक पूरा होगा।

प्रोजेक्ट पूरा होने पर यह होगा फायदा : स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर पैदा होंगे। मिल की उत्पादन क्षमता 88000 मीट्रिक टन से बढ़कर एक लाख मीट्रिक टन हो जाएगी। नई आधुनिक मशीनें लगने से पेपर मीशन कम से कम ब्रेक डाउन के साथ ब्राइटनेस वाले कागज का उत्पादन करेगी। इसकी बाजार में अच्छी कीमत मिलेगी।

नियुक्तियों में खंडवा, बुरहानपुर की प्रतिभाओं को देंगे प्राथमिकता

सौरभ देब ने कहा मिल में उत्पादन शुरू होने पर आवश्यकतानुसार नियुक्तियों में खंडवा और बुरहानपुर की प्रतिभाओं को प्राथमिकता दी जाएगी। पावर हाउस में बॉयलर का सफल ट्रायल हो चुका है। टर्बाइन टेस्टिंग का काम चल रहा है। डीआईपी डी-इंकिंग प्लांट की स्थापना 2017 में हुई थी। इसमें भी सुधार प्रगति पर है। ईटी प्लांट का काम अंतिम चरण में है। सबसे महत्वपूर्ण 2 पेपर मशीन का नवीनीकरण अगले महीने तक पूरा कराने का लक्ष्य रखा गया है। इसके लिए कुछ पार्ट्स बुलवाए हैं।

नगर का नया आर्थिक विकास होगा

आरएमडीपी योजना का काम पूरा कराने के लिए तेजी से प्रयास कर रहे हैं। इससे आने वाले समय में नगर का नया आर्थिक विकास होगा। अफसर-कर्मचारियों ने विषम परिस्थितियों में भी धैर्य नहीं खोया और काम किया। यही वजह है कि अब हम स्टार्टअप की स्थिति तक पहुंचने वाले हैं।

सौरभ देब, अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक नेपा लिमिटेड